Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D—8506

PAPER—II
KONKANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नञ्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संज़्या उज़र-पत्रक पर अंकित करें और उज़र-पत्रक की क्रम संज़्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उज़र विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उज़र के दीर्घवृज़ को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उज़र है।
5. प्रश्नों के उज़र **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उज़र-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उज़र पत्रक पर दिये गये दीर्घवृज़ के अलावा किसी अन्य स्थान पर उज़र चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

KONKANI

कोंकणी

PAPER—II

प्रस्नपत्र—II

सुचोवण्यो : (i) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे कुशीक दिल्ल्या A, B, C, D ह्या चार अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षरांत दिंवची.

(ii) दर प्रस्नाचे सारके जापेक दोन गुण दवरल्यात.

(iii) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिवच्यो.

(iv) ह्या प्रस्न-पत्रांत वट्ट पन्नास (50) भौपर्यायी प्रस्न आसात.

1. कोंकणी संत साहित्य हांतल्या खंयच्या राज्यांत चंवरुन आयलें ?

(A) केरळांत

(B) गोंयांत

(C) महाराष्ट्रांत

(D) कर्नाटकांत

2. 'जुलावे' नांवाची भजनां हांतल्या कोणे स्वल्यात ?

(A) संत नायकस्वामी

(B) संत भद्रगिरी

(C) संत आवडीबाय

(D) संत सहजानंद

3. 'लोकशाय' हे कवितेचो कवि कोण ?

(A) लक्ष्मणराव सरदेसाय

(B) बाकीबाब बोरकार

(C) मनोहरहाय सरदेसाय

(D) पांडुरंग भांगी

4. 'फ्लोस सांतोरुम' हें हांतल्या कोणे बरयलें ?

(A) जुआंव द पेद्रोआ

(B) फ्रेय गाश्पार दसां मिगेल

(C) फ्रेय आमादोर

(D) फ्रेय मानुयेल द बान्या

5. 'तियात्र' साहित्य प्रकार पयले फावटी पालकर केन्ना आयलो ?

(A) 1890

(B) 1993

(C) 1892

(D) 1863

6. 'पुर्ण' हांतलो कोण आशिल्लो ?

(A) बुध्दाचो पट्‌टशिश्य

(B) केरळांतलो संत

(C) जेन तीर्थंकर

(D) सूफी संत

7. विल्यम केरी खंय सावन आपलो वावर करतालें ?

(A) मंगळूर

(B) श्रीरामपूर

(C) केरी

(D) मुंबय

8. 'एव आनी मरी' त्या काव्याची पयली डजवाडावणी खंयच्या वर्सा जाली ?

(A) 1889

(B) 1823

(C) 1899

(D) 1843

9. 'रोटी' नेमाळ्याचे पयले संपादपी कोण ?

(A) लुदोविक पेरैरा

(B) पाश्कुआल दियश

(C) क्रियेल द सौझ

(D) मुरेन द सौझ

10. 'म्हजो दिश्टावो' हो निबंदांचो झेलो हांतल्या कोणे बरयला ?

(A) फिलोमेना सानफ्रान्सिस्को

(B) रोमिओ मिनेसिस

(C) चा.फ्रा. द. कोश्ता

(D) ओलिविन्यु गॉमिश

11. 'कोंकणी' पुनरुत्थानाचो जाहिरनामो होतल्या कोणे काडलो ?

(A) क्रेसेंस मोंतेरु

(B) क्रिस्तवांव पिंतु

(C) फेर्नांदु लेयाल

(D) मोसिंन्योर दाल्गाद

12. जयंत कुलकर्णीच्यो कविता कोंकणीचे खंयचे मोडींत आसात ?

(A) बार्देसी

(B) कुडाळी

(C) कारवारी

(D) अंत्रुजी

13. 'अस्तित्व' ही एकांकी कोणे बरयल्या ?

(A) दिलीप बोरकार

(B) शशांक सीताराम शिरोडकार

(C) पुंडलीक नारायण नायक

(D) मनोहरराय सरदेसाय

14. 'झगझगता तितलेंय भांगर न्हय' हें तियात्र कोणें बरयलां ?

(A) तोमाझिन्यु कार्दोझ

(B) जेस फेर्नांडीस

(C) जॉन क्लार

(D) एम्. बॉयर

15. हांतलो कोण 'गुलाब' पथिकेचे संपादक जावन आशिलमे ?

(A) फादर मैश्यु आल्मैद

(B) फादर फ्रेडी

(C) लीन्यु मस्कारन्हेस

(D) सगैस्त फेलिक्स कार्दोझ

16. पुंडलीक नायक हांचे खंयचें नाटक आशयाचे नदरेन 'अच्छेव' नवलकाणयेक लागीचें आसा ?

(A) वसंतोत्सव आनी पिंपळ पेटला

(B) श्री विचित्राची जात्रा

(C) शबै शबै भौवजनसमाज

(D) खण खण माती

17. हांतुवल्या खंयच्या बरोवप्यान हेर भासांतल्या नाटकांचे कोंकणीत अणकार केल्यात ?

(A) अनिरुध्द बीर

(B) प्राकाश वझरीकार

(C) रामचंद्र शंकर नायक

(D) शणै गोंयबाब

18. कोंकणी वाक्यांतलो हया उतरांचो सभावीक क्रम खंयचो ?

(A) कर्म-कर्तो-क्रियापद

(B) कर्तो-कर्म-क्रियापद

(C) कर्तो-क्रियापद-कर्म

(D) क्रियापद-कर्तो-कर्म

19. देवनागरीक कसले तरेची लिपी मानतात ?

(A) वर्णीक लिपी

(B) अक्षरी लिपी

(C) चित्र लिपी

(D) शब्दीक लिपी

20. 'चवथीचो चंद्र' हें नाटकुलें कोणें बरयलां ?

(A) रामचंद्र शंकर नायक

(B) पांडुरंग भांगी

(C) काशिनाथ श्रीधर नायक

(D) कमल कामत

21. 'जांची आवयभास कोंकणी तांणी तिचेकडेन तिरस्कारान पळोवपाचें सोडून दिवन तिच्या अभ्यासाच्या कामाक लागचें' असो हो डलो मारपी कोण ?

(A) काकासाहेब कालेलकार

(B) रूदोल्फ दाल्गाद

(C) कुन्ञ्य रिव्हार

(D) शणै गोंयबाब

22. 'तीन दसकां' हया पुस्तकाचें संपादन कोणें केलां ?

(A) संदेश प्रभुदेसाय

(B) श्याम वेरेकार

(C) साल्ब्हादोर डिमेलो

(D) चंद्रकान्त केणी

23. हें विधान पूर्ण करपाक फावो तो पर्याय वेंचात-'1960 मेरेन मुंबय आनी मंगळूर ही कोंकणी साहित्यिक चळवळीची मुखेल केंद्रां उरलीं : कारण-

(A) गोयं तेन्ना पुर्तुगेजांच्या राजवटीखाला आशिलमें

(B) ते निमतान गोंयच्या लोकांक मुंबय आनी मंगळूरांत वचपाक मेळटालें.

(C) शणै गोंयबाब तेन्ना मुंबय आनी मंगळूरांत यो-वच करताले

(D) कर्नाटकांत आनी महाराष्ट्रांत तेन्ना लोकशाथ चलताली.

24. हांतुतल्या खंयच्या पुस्तकांत शणै गोंयबाबालीं व्याख्यानां संकलीत केल्यात ?

(A) 'वलिपत्तनाचो सोद'

(B) 'कोंकणी भाशेचें जैत'

(C) 'कोंकणिची व्याकरणी बांदावळ'

(D) 'गोंयकारांली गोंयाभायली वसणूक'

25. हांतुतले खंयचें विधान बरोबर आसा ?

(A) कोंकणीत 'बापू' हें चरित्र शणै गोंयबाबान बरयलां

(B) कोंकणीतलें 'बापू' हें चरित्र शांताराम हेदो हांणीं बरयलां

(C) कोंकणीतलें 'बापू' हें चरित्र ओलिविन्यु गॉमिशान बरयलां

(D) कोंकणीत 'बापू' हें चरित्र रवींद्र केळेकारान बरयलां

26. कोंकणीन हांतुतलें खंयचें उतर पोर्तुगेजीकउल्यान आपणायलो ?

(A) गुड्डुलासांव

(B) बेकार

(C) मालदिसांव

(D) पिराय

27. गोंयचे सां पावल कौलेजींत शिकतल्या खंयच्या तरणाटयान एकोणिसाव्या शतमानांत कोंकणी व्याकरणाचो पयलो वयलो मसुदो तयार केलो ?

(A) आंद्रे वाझ

(B) जुझे वाझ

(C) दियोग रिबैरु

(D) थॉमस स्टीफन्स

28. नेमाळें आनी संपादपी हांची फावती जोडी खंयची ?

(A) उदेंतेचें साळक — रवींद्र केळेकार

(B) राखणो — सिल्व्हेस्टर मिनेझिस

(C) नवें गोंय — लुदोविक पेरैरा

(D) मीर्ग — गुरुनाथ पै

29. गोंयात, मडगांव आनी पणजे दो. राम मनोहर लोहिया हां चे यादीक ओंपिल्ली दोन यादाझिक आयज लेगीत आसात. किल्याक---

(A) दो. राम मनोहर लोहिया गोंयचो नामनेचो शिल्पकार आशिल्लो.

(B) गोंयातल्या लोकांक हेरांची यादास्तिका करपाची आवउच आसा.

(C) गोंयच्या स्वातंत्र्य संग्रामाची ज्योत गोंयकारांमर्दो जागोवपाचें पयलें क्रांतिकारक कार्य तांणीं केलें

(D) गोंयच्या ओपिनियन पोलांत दो. राम मनोहर लोहियाक जैत मेळून तेच गोंयचे मुखेलमंत्री जाले.

30. अणकारपी आनी अणकारित कृती हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(a)	ओलिविन्यु गॉमिश	(i)	चित्रांगदा
(b)	बाकीबाब बोरकार	(ii)	संस्कार
(c)	प्रकाश थळी	(iii)	आनंदमठ
(d)	पांडुरंग भांगी	(iv)	गीता प्रवचनां

	a	*b*	*c*	*d*
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

31. साहित्य अकादमी पुरस्कार जोडपी साहित्यिकांचो तांकां फावो जाल्लया पुरस्कार वर्सा प्रमाण क्रम लायत.

(i) मनोहरराय सरदेसाय

(ii) शंकर रामाणी

(iii) र.वि.पंडित

(iv) पांडुरंग भांगी

(A) iii, i, iv, ii

(B) i, iii, ii, iv

(C) ii, iii, i, iv

(D) iii, i, ii, iv

32. सुनापरान्त दिसाळ्याचो पयलो संपादक कोण ?

(A) राजू नायक

(B) उदय भेंब्रे

(C) चंद्रकान्त केणी

(D) प्रकाश थळी

33. फावो त्यो जोडयो लायात.

(a)	कारेल प्रिक्रिल	(i)	गधकार
(b)	गाश्पार द सा मिगेल	(ii)	व्याकरणकार
(c)	जुआंव आगोश्तीन्यु	(iii)	कोशकार
(d)	दियोगु द आमाराल	(iv)	नाटककार

	a	*b*	*c*	*d*
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

34. गोंय मुक्तताये उपरांत कोंकणीतली वैजकी आनी शासकीय मळावेलीं पुर्तुगेज उतरां वचून थंय इंग्लीश उतरां आयलीं कित्याक.

(A) आतां पुर्तुगेज भाशेक गोंयांत प्रतिष्ठा उरुंक नाशिल्ली.

(B) ही मळां आतां पुर्तुगेजांच्या हातांत उरुंक नाशिल्लीं

(C) भारताच्या हेर वाठारांनी चलपी भासांनी कोंकणीत धोळपी पुर्तुगेज उतरां आपणायलीं

(D) हया मळांचेर पुर्तुगेजीचे सुवातेर आतां गोंयांत इंग्लीश उतरां धोकूंक लागलीं

35. कथाकार आनी तांच्यो कथा हांच्यो जोडयो लायात

(a)	जयंती नायक	(i)	रुद्र
(b)	गजानन जोग	(ii)	मुंज गडगडली
(c)	अच्युत तोटेकार	(iii)	बसवो
(d)	दामोदर मावजो	(iv)	भुरंगी म्हगेलीं तीं

	a	*b*	*c*	*d*
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

36. हातुंतले खंयचें वाक्य बरोबर ?

(A) मंगळूरांत कथा हो साहित्य प्रकार कोणेच केळोवंक ना.

(B) रोमी लिपयेंत नवलकाणये बगर हरे कसलेंच साहित्य ना.

(C) साबार कोंकणी बरोवप्यांनी आपल्या साहित्यिक जीणेची सुरवात कविताच बरोवन केल्या.

(D) केरळांतल्या कोंकणी लोकांचें सुरवेचें चडशें काव्य धार्मिक स्वरूपाचें आशिल्लें

37. 'कविता ही सत् सावन दोह्हया रूपांत पयस आसता' अशें कोणे सांगिल्लें ?

(A) ॲरिस्टॉटल

(B) प्लॅटो

(C) लोंजाइनस

(D) होरेस

38. हया धडणुकांचो क्रम थारायात

(a) मुंबय आकाशवाणीचेर कोंकणी कार्यावळी सुरु जाल्यो.

(b) कोंकणी भास संविधानाचे आठवे वळेरींत पावली.

(c) 'उदेंतेचें साळीक' हें नेमाळें सुरु जालें

(d) 'सासाय' काव्यझेलो उजवाडाक आयलो.

(A) d, a, c, b

(B) a, d, b, c

(C) b, d, c, a

(D) c, a, b, d

39. 'आकाश गंगा' त्या उतराचो समास वळखून बरयाल.

(A) तत्पुरुष

(B) द्वंद्व

(C) द्विगु

(D) बहुव्रिही

40. इतिहासिक भासविज्ञानाची खंयची पध्दत मुळावे उतरावळीच्या आदारान भास बदलपाचो भाव धेता ?

(A) भाशीक काळ निर्णय

(B) तुलनात्मक पध्दत

(C) भाशीक इतिहास

(D) एक भाशीक पुनर्रचणूक

41. पयले वयले गोंयकार केरळांत कित्याक लागून गेल्ले ?

(A) वैजकी झांडा-पानांचेर सोद वावर करपाक

(B) इंक्विजिसांवाक भिवन

(C) वेपार करपाक

(D) थंयच्या वाठाराची भोंवडी करपाक

42. सुरेश आमोणकार हांणी अणकारलेलें मराठी संताचें काव्य खंयचें?

(A) 'ज्ञानेश्वरी'

(B) 'गीता-प्रवचलनां'

(C) 'गीताय'

(D) 'सुकृत-फळां'

43. रवींद्र केळेकार हांकां कोंकणी सोडून हरे खंयच्या भाशेच्या सेवेखातीर राष्ट्रीय पुरस्कार फावो जाला?

(A) फ्रेंच

(B) हिंदी

(C) मराठी

(D) उर्दू

44. इ.स. 1990 हे वर्साचो 'महाराष्ट्र गौरव पुरस्कारं' हांतल्या कोणाक फावो जाला ?

(A) शीला कोंकबकार

(B) दत्ताराम सुखठणकार

(C) जयमाला दणायल

(D) जे.बी.मोरायश

45. वाक्य पूर्ण करात. 'तो बरो उलयता' हया वाक्यांतलें 'बरो' उतर---

(A) अव्ययांत मोडटा

(B) विशेशणांत मोडटा

(C) क्रियाविशेशणांत मोडटा

(D) नामांत मोडटा

सकयलो उतारो वाचून, त्या उता-या सकयल दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो बरोंवच्यो.

सगुण उपासनेच्या दाल्यांत सुलभकाय आनी सुरक्षितमण हीं जोखां हांवें धालीं तशी निर्गुणाच्या दाल्यांतय म्हाका धालूंक येतीत. निर्गुणांत मर्यादा उरता. देखीक, आमीं वेगळीं वेगळीं कार्या करपाखातीर सेवेपासत संस्था स्थापन करतात. संस्था स्थापन जाता ती पैलीं व्यक्तीक लागून. ती व्यक्ती मुखेल आधार आसता. संस्था पैली व्यक्तीनिश्ठ आसता. पुण जशी जशी ती वाहटा तशी तशी ती संस्था व्यक्तिनिश्ठ उर नासतना तत्वनिश्ठ जांवक जाय. आशी तत्वनिश्ठा उत्पन्न जाली ना जाल्यार ती स्कूर्तदिणी व्यक्ति ना जाली तसो त्या संस्थेत काळोख जाता. म्हजो आवडटो हष्टांत दिंवचो जालो जाल्यार चरख्याची माळ तुटली तशें सूत कांतप सोहाच पुण कांतिल्लें सूत गुटलायतलो म्हळ्यार तें पसून जमना. त्याच भशेन त्या व्यक्तिचो आधार तुटलो त्या बराबर संस्थेची अवस्था जाता-ती संस्था पोरकी जाता. व्यक्ति निश्ठेंतल्यान तत्वनिश्ठा उत्पन्न जाली जाल्यार अशें जांवचें ना. सगुणाक निर्गुणाचो पालव जाय. केन्ना तरी व्यक्तिंतल्यान, आकारांतल्यान भायर येवंक शिकूंक जाय. गंगा हिमालयांतल्यान, शंकराल्या जटांतल्यान, भायर सल्ली पुण थंयच रावली ना. त्यो जटो सोडून, त्यो हिमालयाच्यो गाळी धळी, जांगलांवनां सोडून, सपाट मळार खळखळत व्हांवत आयली तेन्ना सगळ्या विस्वलोकाक ती उपकारा पंडूक पावली. त्याभशेन व्यक्तीचो आधार सुटलो तरी तत्वाच्या खंबीर आधाराचेर संस्था उबी रावंक तयार आसूंक जाय. आर्क बांदताना ताका आधार दितात. पुण आदार काडून धेवंचेलो आसता. आदार काडून धेतल्या उपरान्त तें आर्क तिगलें जाल्यारच तो आदार खरो आशिल्लो अशें समजप. पैलीं स्फूर्तीचो व्हाळ सगुणांतल्यान निर्माण जालो हें खरें. पूण अखेरेक परिपूर्णताय तत्वनिश्ठेंत, निर्गुणांत जावंक जाय. भक्तीच्या पोटांतल्यान ज्ञान निर्माण जावंक जाय. भक्तीच्या वालीक ज्ञानांचीं फुलां येवंक जाय.

46. वयर दिल्लया उतान्यातलो मुखेल विशय किदें ?

(A) सगुण आनी निर्गुण

(B) भक्तितल्यान ज्ञानाची निर्मणी

(C) सगुणाक निर्गुणाचो पालव जाय

(D) सगुण उपासनेतल्यान निर्गुण उपासना

47. वयल्या उता-यांत मापा हया अर्थान खंयच्या उतराचो प्रयोग केला ?

(A) नेम

(B) जोखां

(C) दालें

(D) मर्यादा

48. गंगा खंयच्यान भायर सल्ली ?

(A) शंकराच्या जटांतल्यान

(B) हिमालयांतल्यान

(C) सर्गांतल्यान

(D) जंगलां-वनांतल्यान

49. संस्थेचो आदार कोण आसात ?

(A) तत्वनिश्ठ

(B) व्यक्तिनिश्ठा

(C) स्कूर्त

(D) व्यक्ती

50. सगुणाचो आधार निर्गुणाक जाय. कित्याक तर---

(A) सगुण भक्तींतल्यान निर्गुणाचें ज्ञान जाता.

(B) सगुणाक निर्गुणाचो पालव जाय

(C) निर्गुण नासल्यार सगुण दोशी थारता

(D) अखेरेक परिपूर्णताय निर्गुणांत जाता.

- o 0 o -

Space For Rough Work